₹11 हजार करोड़ से अयोध्या में बनेगा औद्योगिक विकास पथ

उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रहा यूपीसीडा

- जनवरी 2023 तक लक्ष्य पूरा करने की योजना
- होटल, बॉटलिंग प्लांट, फ्लोर मिल, ब्राउन ऑइल, प्लाईवुड, डिस्टलरी के लगेंगे उद्योग
- एनबीटी, अयोध्या

धार्मिक नगरी अयोध्या में उद्योगों के विकास के लिए उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने मुहिम शुरू कर दी है। अयोध्या मंडल व देवीपाटन मंडल के 8 जिलों में इन्वेस्टर्स समिट करके उद्यमियों को औद्योगिक विकास के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जनवरी 2023 तक अयोध्या क्षेत्रीय कार्यालय परिक्षेत्र में 11 हजार करोड़ के इन्वेस्टमेंट का लक्ष्य है। इसके जरिए अयोध्या को पर्यटन के साथ-साथ औद्योगिक विकास के नए क्षितिज में चमकाने की तैयारी चल रहा है।

औद्योगिक विकास राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने बताया कि अयोध्या परिमंडल में उद्योगों की स्थापना के लिए अधिकारियों को तेजी से काम करने के निर्देश दिए हैं। इसको लेकर राज्यमंत्री ने 100 से ज्यादा उद्यमियों के साथ बैठक की। इसमें उद्यमियों ने सहूलियतें मिलने पर अपनी चल रही इकाइयों के विस्तार के साथ नए उद्योग स्थापित करने में भी रुचि दिखाई। यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक केएन श्रीवास्तव ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र मुमताजनगर व हरीपुर जलालाबाद में 91 औद्योगिक इकाइयां स्थापित हैं। इनमें से 20 फीसदी निष्क्रिय हैं। उन सभी को फिर से संचालित करने की पहल की जा रही है। उद्यमियों ने अयोध्या को पर्यटन के नक्शे पर विकसित होते देख कर नए सिरे से इंडस्ट्री लगाने पर मन बनाया है। केएन श्रीवास्तव ने बताया कि विदेशी कंपनियों को भी उद्योग लगाने के प्रस्ताव दिए हैं। उनको जमीन मुहैया करवाने के साथ सुरक्षा व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया गया है।

जल्द होगा एमओयू

यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक केएन श्रीवास्तव ने बताया कि बीएल रोलर फलोर मिल्स, जेआर एग्रो कृष्णा प्लांट ने अपनी इकाइयों के विस्तार की सहमति दी है। इसके लिए इनके साथ जल्द ही एमओयू होगा। केएम सुगर मिल्स ने 500 करोड़ रुपये का इंवेस्टमेंट कर रामादा ग्रुप के साथ 200 कमरों का होटल बनाने पर सहमति दी है। अमृत बॉटर ने 35 करोड़ से अपने इकाई का विस्तारीकरण करने में रुचि दिखाई है। लखनऊ की प्लाईवुड इंडस्ट्री ने 100 करोड़ व एक डिस्टलरी कंपनी ने 250 करोड़ निवेश करने का प्रस्ताव दिया है। जीआर एग्रो भी अपनी इकाई का विस्तार करने के लिए एमओयू करेगा। केएन श्रीवास्तव ने बताया कि फरवरी 2023 मे लखनऊ में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अयोध्या क्षेत्रीय कार्यालय परिक्षेत्र से 11 हजार करोड़ के निवेश की तैयारी की जा रही है। उद्यमियों को जमीन की रजिस्ट्री में छूट के साथ सभी सुविधाओं के लिए सिंगल विंडो सिस्टम का इंतजाम किया जा रहा है।

होटलों के निर्माण में विशेष रुचि

यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि इन्वेस्टर्स अयोध्या में होटल के निर्माण में ज्यादा रुचि दिखा रहे हैं। 32 होटलों के निर्माण व विकास की योजनाओं पर काम चल रहा है। होटलों के लिए जमीन मुहैया करवाने में मदद की जा रही है।

भारी निवेश से पूर्वांचल में खुली कारखानों की राह

15 निवेशकों के मिले प्रस्ताव, बनेगा इंडस्ट्रियल एरिया	**5400** करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिले	**40** हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना

■ **एनबीटी, वाराणसी :** बनारस और आसपास के जिलों में लंबे समय बाद औद्योगिक विकास को गति मिलने वाली है। उद्यमियों की नजर काशी व आसपास के जिलों पर पड़ने से नए साल में टेक्सटाइल, फूड प्रॉसेसिंग, पर्यटन, हेल्थ और सर्विस क्षेत्र में करीब 5400 करोड़ रुपये का निवेश आएगा। बड़े पैमाने पर होने वाले निवेश का पूरा खाका तैयार करने का काम इन दिनों तेजी पर है।

अगले साल लखनऊ में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारी के बीच जिला उद्योग केंद्र को 15 निवेशकों की ओर से नई इकाइयां लगाने का प्रस्ताव मिला है। वाराणसी में करीब 4000 करोड़, चंदौली में 1000 करोड़ और गाजीपुर व जौनपुर में 200-200 करोड़ रुपये निवेश के प्रस्ताव से औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलना तय माना जा रहा है। नए कल कारखाने लगने पर करीब 40 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना से बड़े शहरों में पलायन भी थोड़ा थमेगा।

जिला उद्योग केंद्र में निवेशकों के लिए हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। यहां उद्यमियों को निवेश से संबंधित जानकारी दिए जाने के साथ आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराने पर जोर है। इसके लिए विनोद कुमार वर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

10 हजार पशुपालकों को मिलेगा रोजगार

बीते साल दिसंबर में पीएम ने करखियांव एग्रो पार्क में अमूल प्लांट की नींव रखी थी। 2023 के अंत तक तैयार होने वाले दस लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले अमूल प्लांट के जरिए वाराणसी, जौनपुर, मछलीशहर, चंदौली, गाजीपुर, भदोही, मीरजापुर, आजमगढ़ और पूर्वांचल के अन्य जिलों के एक हजार गांवों के दस हजार से ज्यादा पशुपालकों को लाभ मिलेगा तो बड़ी संख्या में प्रत्क्ष रोजगार भी मिलेगा।

> "वाराणसी में औद्योगिक गतिविधियां ज्यादा विकसित करने पर सरकार का विशेष फोकस है। उद्यमी भी इसमें भूमिका निभाने को तैयार हैं। *-आरके चौधरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, आईआईए*

> "लखनऊ में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए तैयारियां चल रही हैं। नए उद्योग लगाने के लिए निवेशक संपर्क कर रहे हैं। *-मोहन कुमार शर्मा, उपायुक्त, जिला उद्योग केंद्र*